

五千年文明故事集  
五千年的智慧与情感  
5000年的文明与智慧

中国文字语言的故事

ZHONGGUO WENZI YUYAN DE GUSHI

# 汉语文字传奇

朱宁虹◎编著



中国戏剧出版社



# 汉语文字传奇

ZHONGGUO WENZI YUYAN DE GUSHI

中国文字语言  
的故事

ISBN 978-7-104-02409-5



01>

9 787104 024095

定价:328.00元(全10册)  
建议零售价:32.80元



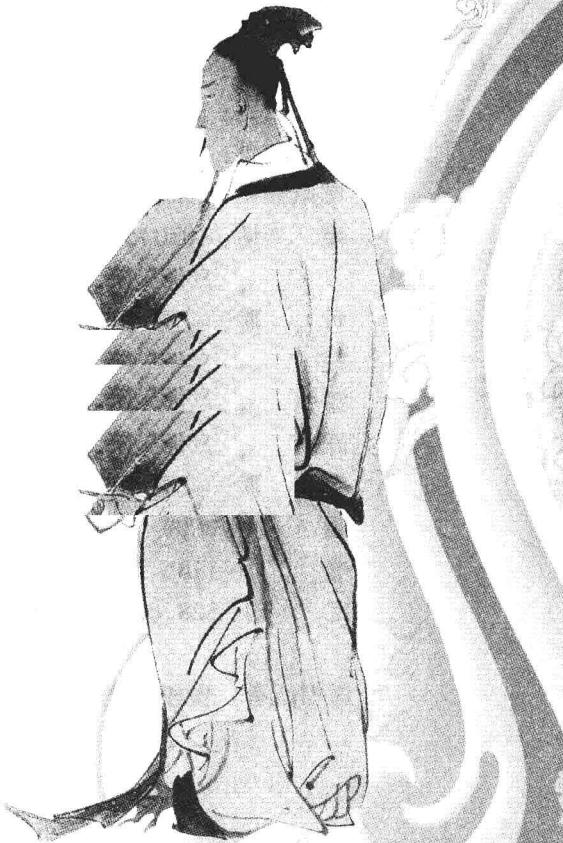
# 汉语文字传奇

ZHONGGUO WENZI YUYAN DE GUSHI

中 國 文 字 語 言

的 故 事

朱 宁 虹 ◎ 编 著



中国戏剧出版社

**图书在版编目(CIP)数据**

五千年文明故事集 / 朱宁虹编著. —北京:中国戏剧出版社,  
2006.5(2009.2重印)

ISBN 978 - 7 - 104 - 02409 - 5

I. 五… II. 朱… III. 历史故事 - 作品集 - 中国 - 当代  
IV. I247. 8

中国版本图书馆 CIP 数据核字(2006)第 043051 号

---

## **五千年文明故事集**

**责任编辑:** 肖楠 王媛媛

**责任出版:** 冯志强

**出版发行:** 中国戏剧出版社

**社    址:** 北京市海淀区紫竹院路 116 号嘉豪国际中心 A 座 10 层

**邮政编码:** 100097

**电    话:** (010)58930221 58930237 58930238

58930239 58930240 58930241(发行部)

**传    真:** (010)58930242(发行部)

**经    销:** 全国新华书店

**印    刷:** 北京顺义康华福利印刷厂

**开    本:** 910 毫米×1300 毫米 1/24

**字    数:** 2800 千

**版    次:** 2009 年 2 月 北京第 1 版第 2 次印刷

**书    号:** ISBN 978 - 7 - 104 - 02409 - 5

**定    价:** 328.00 元(全十册)

**版权所有    侵权必究**

# 前　言

## ——中国的语言文字

鲁迅先生说过：我们的祖先的原始人，原是连话也不会说的，为了共同劳作，必须发表意见，才渐渐练出复杂的声音来。例如那时大家抬木头，都觉得吃力了，却想不到发表。其中有一个叫道‘杭育杭育’，然后，逐渐演化成歌谣，那就是我们最原始的语言了。

而中华民族几千年的文明都浓缩于汉字母语之中，汉字以其独特的形式，记载和传承着中华文化。每一个汉字，尤其是初始阶段的汉字，几乎就是一种实物的摹写、一幅生活场景的缩影，凝聚着中华民族的智慧结晶。

在文字产生之前，人们早已用实物、图画或各种符号记事表意了，而且所用的各种方法跟古汉字的造字原则有很多共通之处。我国就是从夏商之际才开始有比较完备的记事典册的，汉字形成完整的文字体系；商代后期的汉字不但已经能够完整地记录语言，而且在有些方面还显得相当成熟。当时，在上层统治阶级的政治和社会生活里，文字已经使用得相当广泛，为他们服务的史官一类人的书写技巧也达到了很高的水平。从这些方面看，商代后期距离汉字脱离原始文字阶段而形成完整文字体系的时代，应该已经有一段不太短的时间了。

语言是人脑思维的外化，文字也是人脑思维的外化，文字是比语言更高一级的交流方式，文字能够记录语言，文字更可以框定、限制语言。中国至今仍是泱泱大国，中华民族在外族多次入侵后仍屹立在东方，这要感谢我们的祖先发明了汉字。

## 目 录

|                      |    |
|----------------------|----|
| 前 言 .....            | 1  |
| 语言的起源 .....          | 1  |
| 文字的起源 .....          | 3  |
| <br>                 |    |
| 中国字的创造和含义 .....      | 5  |
| 仓颉造字的故事 .....        | 7  |
| \天字的由来 .....         | 8  |
| “日”的故事 .....         | 9  |
| 古代的“雨”“云”的故事 .....   | 11 |
| 上善若“水” .....         | 12 |
| 一方水“土” .....         | 14 |
| 日出“东”方日落“西” .....    | 15 |
| 万物之灵“人”最贵 .....      | 16 |
| 天大地大人最“大” .....      | 17 |
| “一”、“二”、“三”的由来 ..... | 18 |
| 耳聰目明乃圣贤 .....        | 20 |
| “口”“舌”巧言为哪般 .....    | 22 |
| 女祖“帝”主掌生育 .....      | 23 |
| 母系时代的“公”共 .....      | 24 |
| “祭祀”给祖先的贿赂 .....     | 25 |
| 名落“孙”山 .....         | 27 |

|                          |           |
|--------------------------|-----------|
| 弯“弓”的背后 .....            | 28        |
| 大动“干”“戈” .....           | 29        |
| 殷“商”是怎么来的 .....          | 30        |
| “私”有制的来由 .....           | 32        |
| “无它乎”的故事 .....           | 33        |
| 民以“食”为天 .....            | 33        |
| “𠂔”(融)的音读和象征意义 .....     | 35        |
| <br>                     |           |
| <b>发展——寓意丰富字与言 .....</b> | <b>59</b> |
| 代替怎么说 .....              | 61        |
| 必获此土“块” .....            | 62        |
| 只有一只脚的误会 .....           | 63        |
| 自杀还是他杀? .....            | 64        |
| “舜何人” .....              | 65        |
| 矛盾 .....                 | 66        |
| 掣肘 .....                 | 66        |
| 枇杷不是此琵琶 .....            | 68        |
| 别字的笑话 .....              | 70        |
| “通假”字 .....              | 70        |
| 诸葛亮巧妙地曲解“二桥” .....       | 71        |
| “借刀杀人” .....             | 72        |
| 不提“钱”字 .....             | 73        |
| “有钱能使鬼推磨” .....          | 74        |
| 书券三纸,未及“驴”字 .....        | 75        |
| 罗嗦先生 .....               | 76        |
| “弑”和“诛” .....            | 77        |
| 皇帝编造拆字谣言 .....           | 78        |
| “堂主”是“唐主” .....          | 79        |
| “满朝都是贼” .....            | 80        |

## 目 录

|              |     |
|--------------|-----|
| 妻父为什么叫“泰山”   | 81  |
| 一语两释，自圆其说    | 82  |
| “无乃太细长乎？”    | 83  |
| “一江水”不如“半江水” | 84  |
| 无字胜有字        | 85  |
| “不忿”是“忿”     | 85  |
| “恶作剧”        | 86  |
| 高山流水遇“知音”    | 88  |
| “悲乎！足下！”     | 89  |
| 糟糠           | 90  |
| 染指           | 90  |
| 偏袒           | 91  |
| “海大鱼”        | 92  |
| 一言为重         | 93  |
| “像吾故裤”       | 94  |
| 该来的该走的       | 95  |
| 避讳           | 96  |
| 秦始皇造“秦”      | 97  |
| 武则天改“国”      | 98  |
| 赵匡胤的白纸文书     | 99  |
| “名讳”的笑谈      | 100 |
| “爹爹”作“民贼”    | 101 |
| “马”“犬”之争     | 102 |
| “国外狼”        | 103 |
| 和尚成亲         | 104 |
| 皇帝一字之师       | 105 |
| 批示公文的笑柄      | 106 |
| “怀山襄陵”       | 108 |
| 生肖忌讳         | 109 |

|                 |     |
|-----------------|-----|
| 世间惟有蛰“龙”知       | 110 |
| 春风又绿江南岸         | 111 |
| “晶饭”和“毳饭”       | 112 |
| “万岁”的由来         | 114 |
| 苏东坡难脱凡俗         | 115 |
| “佛僧”与“奴婢”       | 116 |
| 巧分獐鹿            | 116 |
| “聪明反被聪明误”       | 117 |
| 三字杀岳飞：“莫须有”     | 118 |
| 官读别字            | 119 |
| 犯人叫“亲爹”         | 121 |
| “放火”与“点灯”       | 122 |
| “要”与“不要”        | 124 |
| “火——虎”          | 125 |
| “寿——受”          | 126 |
| 是熟蹄不是生蹄呵        | 127 |
| “富”贵无顶          | 128 |
| 此地无银三百两         | 129 |
| 赏罚皆由奏章          | 130 |
| 洗马·司马           | 131 |
| 糟饼·豆腐           | 133 |
| 连命都不要了          | 134 |
| “友”、“有”、“酉”难逃厄运 | 135 |
| 羊头和狗肉           | 136 |
| 为何一切物件称“东西”     | 138 |
| 少不得半文钱          | 139 |
| 落雨天留客           | 140 |
| 刻薄财主的对联         | 141 |
| “矣”、“乎”与“貌——帽”  | 142 |

## 目 录

---

|                |     |
|----------------|-----|
| “何官”到底贪不贪      | 143 |
| 鱼的称谓           | 144 |
| “翁仲——仲翁”       | 145 |
| 词语和位置关系大       | 147 |
| “秋”与“和”        | 148 |
| “犹豫”解说的笑谈      | 149 |
| 明、清二字与文字狱      | 150 |
| “一把心酸论浊清”      | 151 |
| 纪昀无字传情报        | 152 |
| “坐，茶”的接待规格     | 153 |
| 飞来峰对联          | 154 |
| 看老夫手段如何！       | 155 |
| 一点一勾与人命        | 156 |
| “揭被勒镯”与“勒镯揭被”  | 157 |
| “斧正”的由来        | 158 |
| 多言、不言          | 159 |
| “无字碑”          | 160 |
| 逐客令            | 161 |
| 破天荒            | 162 |
| 抱佛脚            | 163 |
| 数字情书           | 164 |
| <br>           |     |
| 普及——言简意赅语言文字故事 | 167 |
| 助纣为虐           | 169 |
| 风马牛不相及         | 169 |
| 爱屋及乌           | 170 |
| 安步当车           | 171 |
| 未雨绸缪           | 172 |
| 不足为外人道         | 173 |

|           |     |
|-----------|-----|
| 兵不厌诈      | 174 |
| 沧海一粟      | 175 |
| 东施效颦      | 175 |
| 唇亡齿寒      | 176 |
| 目不识丁      | 177 |
| 才高八斗      | 177 |
| 风声鹤唳      | 178 |
| 鞭长莫及      | 179 |
| 南柯一梦      | 180 |
| 病入膏肓      | 180 |
| 一箭双雕      | 182 |
| 一言九鼎      | 182 |
| 不翼而飞      | 183 |
| 画蛇添足      | 184 |
| 弄巧成拙      | 184 |
| 狐假虎威      | 185 |
| 为人作嫁      | 186 |
| 塞翁失马      | 187 |
| 三人成虎      | 189 |
| 鱼目混珠      | 190 |
| 鹬蚌相争,渔翁得利 | 191 |
| 水滴石穿      | 191 |
| 滥竽充数      | 192 |
| 瓜田李下      | 193 |
| 刮目相看      | 193 |
| 不求甚解      | 194 |
| 信口雌黄      | 194 |
| 守株待兔      | 195 |
| 城狐社鼠      | 196 |

## 目 录

|                |     |
|----------------|-----|
| 二桃杀三士          | 196 |
| 一鸣惊人           | 198 |
| 一叶障目           | 199 |
| 杯弓蛇影           | 200 |
| 画饼充饥           | 201 |
| 饮鸩止渴           | 202 |
| 桂薪玉粒           | 203 |
| 阮囊羞涩           | 203 |
| 过河拆桥           | 204 |
| 含沙射影           | 205 |
| <br>           |     |
| 辉煌——各类文学与典籍    | 207 |
| 上古初民的击壤而歌,呼号为诗 | 208 |
| 连字和韵做《诗经》      | 209 |
| 天子龙沉景阳井        | 210 |
| 北人不可侮          | 211 |
| 不读书唱《垓下歌》      | 212 |
| 扬雄70撰《方言》      | 213 |
| 一尺布,尚可缝        | 215 |
| 文字记载历史         | 216 |
| 春风不度玉门关        | 217 |
| 许慎和《说文解字》      | 218 |
| 一枝红艳露凝香        | 220 |
| 郭璞卜筮           | 221 |
| 千里姻缘一“诗”牵      | 222 |
| 陆法言和《切韵》       | 223 |
| 王安石的《字说》       | 225 |
| 字字悲愤《七步诗》      | 227 |
| 白毛浮绿水,红掌拨清波    | 228 |

|                |     |
|----------------|-----|
| 一枝早梅开          | 229 |
| 黄河之水天上来        | 230 |
| “推敲”的故事        | 231 |
| 孔子“寓褒贬于一字”     | 231 |
| “清香味永”回文体      | 233 |
| 急风吹缓箭          | 234 |
| 春联的由来          | 235 |
| 姜女庙的楹联         | 236 |
| 两副奇怪的对联        | 238 |
| 庙门对联嘲恶僧        | 240 |
| 大观楼长联的辉煌与厄运    | 242 |
| 对联姓氏斗智         | 246 |
| 后主“失东风”        | 249 |
| 句句无“沙”却有“沙”    | 250 |
| 王安石误改诗         | 250 |
| 好山好水看不足        | 251 |
| 才下眉头，却上心头      | 252 |
| 中原父老望旌旗        | 253 |
| 两朝天子一朝人        | 254 |
| 寿联、挽联见民心       | 255 |
| 薰风自南来，殿阁生微凉    | 257 |
| 小桥流水人家         | 258 |
| 评《康熙字典》,《字贯》种祸 | 259 |
| 一片一片又一片        | 260 |
| 一枝一叶总关情        | 261 |
| “首施”、“首鼠”和《辞通》 | 262 |
| 月映竹成千“个”字      | 263 |
| 这个婆娘不是人        | 264 |
| 满纸荒唐言,一把辛酸泪    | 265 |

## 目 录

---

|                                  |     |
|----------------------------------|-----|
| 神秘——特殊意义的言和语 .....               | 267 |
| 范增使眼色 .....                      | 269 |
| 眉目传情送秋波 .....                    | 269 |
| 盯视和凝视 .....                      | 271 |
| 眨眼与挤眼 .....                      | 272 |
| 白眼冷眼斜眼 .....                     | 273 |
| 青眼飞眼 .....                       | 273 |
| 嗔视 .....                         | 274 |
| “眼语”与“眉语”“嘴语”、“发语”、“面语”的搭配 ..... | 274 |
| “头语” .....                       | 276 |
| 面部表情能说话 .....                    | 276 |
| “上下其手” .....                     | 277 |
| “指其掌” .....                      | 278 |
| “伸了两个指头” .....                   | 279 |
| 握手的内涵 .....                      | 279 |
| 轻抚你的脸 .....                      | 280 |
| 老礼中的手语 .....                     | 280 |
| 手语传情 .....                       | 281 |
| 手语和数字 .....                      | 281 |
| 旧时的帮会手语 .....                    | 282 |
| 手语的一些礼节 .....                    | 282 |
| 腿语种种 .....                       | 283 |
| 行进姿态话心情 .....                    | 284 |
| 隐语(谶语)揭秘 .....                   | 286 |
| 绳结的隐语 .....                      | 286 |
| “亡秦者胡也” .....                    | 288 |
| 陈胜吴广起义与谶语 .....                  | 289 |

|             |     |
|-------------|-----|
| “元载”无字千匹丝   | 290 |
| 汉代的隐语       | 291 |
| 门上“活”和“一合酥” | 292 |
| 童谣和隐语       | 293 |
| 苏东坡吃“半鲁”    | 294 |
| 不是韩信怎取“三秦”  | 295 |
| “黄的”原来是皇帝   | 296 |
| 猪蹄和考题       | 297 |
| 遗嘱里的机关      | 298 |
| 秘密语与反切      | 300 |
| “出六斤”和隐语    | 301 |
| “庚癸之呼”      | 302 |
| “酌酒”与“捉人”   | 302 |
| 贾瑞之“缘”      | 303 |
| 符咒语占卜语      | 304 |
| 巫与符咒语       | 304 |
| 知识广博的古代巫师   | 305 |
| 符篆破译        | 306 |
| 邀仙符         | 306 |
| 文曲星符        | 307 |
| 太白符         | 307 |
| 定身符         | 307 |
| 相思符         | 308 |
| 铁拐符         | 308 |
| 韩湘子符        | 309 |
| 六丁符         | 309 |
| 六甲符         | 309 |
| 脱谷符         | 310 |
| 笔符、墨符、纸符、砚符 | 310 |

## 目 录

---

|                           |     |
|---------------------------|-----|
| 咒语和讖语 .....               | 312 |
| 焚香咒 .....                 | 312 |
| 净水咒 .....                 | 313 |
| 咒纸文 .....                 | 313 |
| 咒笔文 .....                 | 313 |
| 书符咒 .....                 | 314 |
| 咒符 .....                  | 315 |
| 解译占卜语 .....               | 317 |
| 何为“占卜” .....              | 317 |
| 孔子说卜筮 .....               | 318 |
| 晋献公占卜测凶吉 .....            | 318 |
| 结束语——语言和文字——人类文明的标志 ..... | 320 |

# 语言的起源

## ☆神创起源说

亚当是上帝创造的，他给事物起名字的能力（语言能力），自然也是上帝赋予的。这种观点在中世纪以前很流行。5世纪时，据说有一位被认为是无神论者的圣·道塞尔曾坚持说：“一切婴孩都应‘学习’说话。”好像语言这种极有价值而又必需的礼物，上帝忘了赋予人们一样。这样说似乎是对上帝的不敬，因此受到一些人的攻击。

## ☆约定俗成说

是18世纪亚当·斯密和卢梭等人提出的观点。他们认为，原始人类在没有语言之前，通过相互约定，规定了一些物体的名称，这样就创造了语言。

## ☆感叹说

这是18世纪卢梭提出的。卢梭说：“最初的语言是充溢热情的歌唱的语言，只是后来才变成普遍的、有条理的语言。”他们认为，人类有恐怖、欢乐、悲痛等感情，自然就会发出各种叹声。这种感叹声就发展成为原始人类的语言。英国著名作家赫·乔·韦尔斯在其《世界史纲》中说，最初的语言可能是少数惊叹词和名词的集合。中国近代语言学家黎锦熙也说：“人类的语言起源于叹词，在语言学上又叫做‘叹词起源说’。”

## ☆手势说

古希腊哲学家苏格拉底认为，假如人类没有发音能力，所有的人就会像聋哑人那样使用手势进行交际。17世纪中叶，一位叫做达尔加诺的学者提出，人类起初一直是用手势进行交际的，后来才产生了有声的语言。卢梭、伏尔泰也持类似的观点。进入20世纪，德国的心理学家冯特、苏联语言学家马尔